अमेरिका ने नौ देशों में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी परियोजनाओं को मदद दी

चेरिल पेलेरिन

जेरी बार्कर © ए.पी. इमेज्ज़ इन्क्यूरी, एनर्जी कॉलिन्स कोलोरैडो

अमेरिकी पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी नौ देशों में ऐसी जलवायु परिवर्तन परियोजनाओं पर 20 लाख डॉलर की धनराशि खर्च कर रही है, जिनके जरिए मीथेन को मुक्त होने से रोकने और उसके बेहतर उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। हानिकारक ग्रीनहाउस गैसों का लगभग छठवां हिस्सा ये ही गैसें होती हैं।

यह धनराशि भारत, चीन, रूस, अर्जेंटीना, ब्राजील, कोरिया गणतंत्र, मेक्सिको, नाइजीरिया तथा उक्राइन में चल रही परियोजनाओं के लिए 'मीथेन टू मार्केट्स' सहभागिता के तहत मुहैया की जा रही है। यह सहभागिता वर्ष 2004 में अमेरिका और 13 अन्य देशों ने शुरू की थी।

सितंबर 2007 से इस समूह में यूरोपीय आयोग भी जुड़ गया, जिसके कारण सहभागी देशों की संख्या 21 हो गई। इसके अलावा 600 से भी अधिक सरकारी तथा निजी संस्थाएं भी इसमें सहयोग कर रही हैं और ये सभी सहभागी विश्व भर में लगभग 100 परियोजनाओं तथा इससे संबंधित गतिविधियों पर काम कर रहे हैं।

पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी के जलवायु परिवर्तन विभाग में शाखा प्रमुख पॉल गनिंग कहते हैं कि यूरोपीय आयोग की सदस्यता ''इस दिशा में एक और अच्छा कदम है क्योंकि इससे भागीदारी में विशेषज्ञता और वचनबद्धता बढ़ी है। इससे भागीदारी और मज़बूत होगी तथा हम वैश्विक स्तर पर ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा में कमी करते रहेंगे।''

मीथेन की कुल मात्रा का आधा मानवजनित स्रोतों की देन है। मानव की गतिविधियों के कारण पिछले 200 वर्षों में वायुमंडल में मीथेन की मात्रा दो गुनी हो गई है। यह गैस वायुमंडल में गर्मी को कार्बन डाइ ऑक्साइड की तुलना में 23 गुना अधिक रोक लेती है।

'मीथेन टू मार्केट्स' कार्यक्रम मीथेन उत्सर्जन के इन चार प्रमुख कारणों पर ध्यान दे रहा है: कोयले का खनन, कचरा भराव स्थल, कृषि (जानवरों के अपशिष्ट पदार्थ) और तेल तथा प्राकृतिक गैस उत्पादन।

भारत में जिन परियोजनाओं को यह आर्थिक मदद दी जा रही है, उनमें से एक फ़ैडरेशन ऑफ़ इंडियन चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा कृषि और कचरा भराव स्थलों पर मीथेन को संग्रहीत करने और उसके इस्तेमाल के तरीकों का समन्वय करने के लिए है। एक और परियोजना भारत स्थित अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण संस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर पशुओं को चारा-दाना खिलाने की गतिविधियों के संचालन से मिलने वाली खाद से मीथेन संग्रहीत करने की पहल करने के लिए है।

गनिंग कहते हैं कि यूरोपीय आयोग ने कोयले की खानों और तेल तथा प्राकृतिक गैस उत्पादन प्रणालियों से निकली मीथेन के संग्रहण में रुचि दिखाई है। आयोग ने पेइचिंग में 2007 में आयोजित 'मीथेन टू मार्केट्स' प्रर्दशनी में भाग लेने के लिए अपना प्रतिनिधिमंडल भेजा ताकि वे इस भागीदारी के बारे में और अधिक जानकारी हासिल कर सकें।

यह पहला ऐसा बहुराष्ट्रीय आयोग है जिसने 'मीथेन टू मार्केट्स' अभियान में हिस्सा लिया है। जर्मनी, इटली, पोंलैंड और ब्रिटेन, ये चार सदस्य देश इसमें शामिल हो चुके हैं। कोयला क्षेत्र में यूरोपीय आयोग कोयला खानों से निकलने वाली मीथेन गैस पर यूरोप के 50 वर्ष से भी अधिक समय के अनुभव का लाभ मुहैया कराएगा।

मीथेन केवल ग्रीनहाउस गैस नहीं है बल्कि यह प्राकृतिक गैस का भी मुख्य अंश है और जलाने के काम आने वाला बढ़िया ऊर्जा स्रोत भी है। पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी से आर्थिक सहायता प्राप्त परियोजनाओं से ऐसी गतिविधियों को मदद मिल रही है जो मीथेन संग्रहीत करने तथा इसका उपयोग करने में आने वाली बाधाओं का निराकरण करती हैं।

आर्थिक मदद से एजेंसी कई गतिविधियों को बढ़ावा दे रही है जैसे ट्रेनिंग, परियोजना स्थलों संबंधी डेटाबेस का विकास, व्यवहार्यता संबंधी अध्ययन, प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान तथा परियोजना प्रदर्शन।

गनिंग कहते हैं, ''इसका एक महत्वपूर्ण क्षेत्र परियोजना को सीधे सहायता देना भी है। उदाहरण के लिए मेक्सिको में हम 'सीमा पर्यावरण सहयोग आयोग' के साथ काम करते हुए दो शहरों में गैस के संग्रहण तथा उपयोग संबंधी दो व्यवहार्यता अध्ययन करेंगे।''

वह कहते हैं, ''हमें आशा है कि इन अध्ययनों के आधार पर जो रिपोर्ट तैयार होंगी और जारी की जाएंगी, वे पूर्ण स्तर पर परियोजना शुरू करने के लिए निजी क्षेत्र में निवेश की दिशा में उत्प्रेरक का काम करेंगी।''

नाइजीरिया में जन एवं पर्यावरण केंद्र को कोयला खानों से निकलने वाली मीथेन से बिजली पैदा करने के बारे में एक अध्ययन के लिए आर्थिक मदद मिली। इसका कार्य स्थल बाद में तय किया जाएगा। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय अपशिष्ट एसोसिएशन नाइजीरिया में कचरा निपटान स्थलों पर काम करेगी।

रूस में पर्यावरणीय क्षेत्रीय केंद्र पूरे देश के कचरा निपटान स्थलों का ब्यौरा बनाएगा और रूसी ऊर्जा दक्षता प्रदर्शन क्षेत्र एसोसिएशन मास्को में एक स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र स्थापित करेगी।

दक्षिण कोरिया में कोरिया जिला ताप निगम चंचियोन, गेंगन्यूंग, जिंजू तथा मॉक्पो स्थित कचरा निपटान स्थलों से मीथेन प्राप्त करने संबंधी अध्ययन करेगा।

गनिंग कहते हैं, ''असल में सभी परियोजनाएं अन्य संसाधनों पर प्रभाव डाल रही हैं। जिन संस्थाओं के साथ हम सहयोग कर रहे हैं, वे परियोजनाओं को आर्थिक मदद देंगी और कुछ मामलों में तो वे दूसरों के साथ सहयोगी भी बन गई हैं। इसलिए जो धनराशि दी जा रही है, वह ज़रूरी नहीं कि पूरी राशि हो- बल्कि उसका एक हिस्सा अमेरिकी सरकार की ओर से है।''

ज़्यादा जानकारी के लिए:

मीथेन टू मार्केट्स भागीदारी

http://www.epa.gov/methanetomarkets/

अंतरराष्ट्रीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

http://www.iswa.org/web/guest/home

फ़ोर्ट कॉलिन्स, कोलोरैडो की न्यू बेल्जियम ब्रूइंग कंपनी के संयुक्त ऊष्मा और ऊर्जा संयंत्र में काम करता एक कामगार। इस संयंत्र में ब्रूइंग प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाली मीथेन गैस को एकत्र कर उसे ऊर्जा में तब्दील किया जाता है।

***चेरिल पेलेरिन** यूएसइनफ़ो के कार्यालय लेखक हैं।*

कृपया इस लेख के बारे में अपने विचार editorspan@state.gov पर भेजिए।

टॉमस मुनिटा © न्यू यॉर्क टाइम्स/रिडक्स

उत्तराखंड के वाडिया हिमालयी भूविज्ञान संस्थान का एक दल हिमालय के गढ़वाल इलाके में चोराबारी ग्लैशियर के खिसकने का अध्ययन करते हुए।

यूएसइनफ़ो © ईएफ़-3 स्पर्स, यूएस दूतावास, टोकियो